रोज़गार कार्य समूह की तीसरी बैठक

प्रलिमि्स के लयि:

भारत की G20 अध्यक्षता, आर्थकि सहयोग और वकिास संगठन, गगि और प्लेटफॉर्म अर्थव्यवस्था, संयुक्त राष्ट्र

मेन्स के लयि:

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन

चर्चा में क्यों?

भारत की G20 अध्यक्षता के तहत जनिवा, स्वट्ज़िरलैंड स्थति अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन **(International Labour Organization- ILO)** मुख्यालय में **रोज़गार कार्य समूह (Employment Working Group- EWG)** की तीसरी बैठक आयोजति की जा रही है।

- यह बैठक, जो कि ILO के वार्षकि अंतर्राष्ट्रीय श्रम सम्मेलन के साथ संरेखति है,**G20 सदस्य देशों, अतथि देशों एवं अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO), आर्थकि सहयोग और वकिास संगठन (Organisation for Economic Cooperation and Development- OECD), अंतर्राष्ट्रीय सामाजकि सुरक्षा संघ (International Social Security Association- ISSA),** वशि्व बैंक सहति अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रतनिधियिों को एक साथ लाती है।

प्रमुख बदिु

- **प्राथमकि क्षेत्र:**
  - भारत की प्रेसीडेंसी में वर्ष 2023 में EWG के लयि तीन प्राथमकि क्षेत्रों की पहचान की गई है:
    - **वैश्वकि कौशल अंतराल को संबोधति करना:** यह क्षेत्र **वैश्वकि कार्यबल में प्रचलति कौशल अंतराल** की पूर्ति करने और रोज़गार क्षमता बढ़ाने की रणनीति वकिसति करने पर केंद्रति है।
    - **गगि, प्लेटफॉर्म इकॉनमी और सामाजकि सुरक्षा:** कार्य की वकिसति प्रकृति को देखते हुए **गगि और प्लेटफॉर्म इकॉनमी कामगारों के लयि सामाजकि सुरक्षा** सुनश्चिति करने पर केंद्रति है।
      - गगि और प्लेटफॉर्म इकॉनमी **एक आधुनकि कार्य व्यवस्था को संदर्भति करती है**, जहाँ **लोग डजिटिल प्लेटफॉर्म या एप के माध्यम से अल्पकालकि, स्वतंत्र या मांग आधारति** (ऑन-डमिांड) कार्य करते हैं।
      - इसकी वशिषता **कार्य का अस्थायी और लचीलापन है, जो ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से सुवधिा प्रदान करता है और ग्राहकों को सेवा प्रदाताओं (गगि कामगारों के रूप में) को जोड़ता है।**
    - **सामाजकि सुरक्षा का स्थायी वत्तिपोषण:** यह क्षेत्र **सामाजकि सुरक्षा पहलों का समर्थन करने और श्रमकिों के लयि सुरक्षा जाल प्रदान** करने हेतु स्थायी वत्तिपोषण मॉडल के महत्त्व पर बल देता है
- **बैठक के चरण:**
  - EWG बैठक भारत के वभिन्नि शहरों में चार अलग-अलग चरणों में आयोजति की गई।
    - पहला चरण **फरवरी 2023 में जोधपुर, राजस्थान** में आयोजति कयिा गया था।
    - दूसरा चरण **अप्रैल 2023 में गुवाहाटी, असम** में आयोजति कयिा गया।
    - तीसरा चरण **जनिवा में 31 मई से 2 जून 2023** तक आयोजति कयिा जा रहा है।
    - चौथा और अंतमि चरण **जुलाई 2023 में इंदौर, मध्य प्रदेश** में आयोजति कयिा जाएगा।

रोज़गार कार्य समूह:

- **परचिय**:
  - **रोज़गार कार्य समूह (EWG)** G20 ढाँचे के भीतर स्थापति एक फोरम है जो **रोज़गार, श्रम बाज़ारों और सामाजकि नीतयिों** से संबंधति

मुद्दों का समाधान करता है।
    - यह चर्चाओं में शामिल होने, अनुभव साझा करने और रोज़गार संबंधी मामलों पर नीतिगत सिफारिशों के लिये G20 सदस्य देशों तथा संबंधित अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के लिये एक मंच के रूप में कार्य करता है।
- **उद्देश्य:**
    - EWG का मुख्य उद्देश्य **रोज़गार सृजन को बढ़ावा देकर श्रम बाज़ार के परिणामों में सुधार करना** तथा श्रमिकों के लिये सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करके **समावेशी और सतत् आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है।**

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन:

- **परिचय:**
    - **ILO श्रम और रोज़गार मंत्रालय के अंतर्राष्ट्रीय ज्ञान भागीदारों में से एक है** जो EWG को तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करता है।
    - ILO **संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी है जिसका कार्य अंतर्राष्ट्रीय श्रम मानकों को स्थापित करके सामाजिक और आर्थिक न्याय को आगे बढ़ाना है।**
    - राष्ट्र संघ के तहत **अक्तूबर 1919 (वर्साय की संधि)** में स्थापित यह संयुक्त राष्ट्र की **पहली और सबसे पुरानी विशेष एजेंसी है।**
- **सदस्य:**
    - ILO की एक **त्रिपक्षीय संरचना** है जो अपने **187 सदस्य राज्यों** से सरकारों, नियोक्ताओं और श्रमिकों के प्रतिनिधियों को एक साथ लाती है।
        - भारत **अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन का संस्थापक सदस्य है।**
- **अंतर्राष्ट्रीय श्रम सम्मेलन:**
    - **ILO जिनेवा में एक वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय श्रम सम्मेलन** भी आयोजित करता है जो अंतर्राष्ट्रीय श्रम मानकों और ILO की व्यापक नीतियों को निर्धारित करता है।
        - इसे अक्सर **श्रम की अंतर्राष्ट्रीय संसद** के रूप में जाना जाता है।
- **कार्रवाई के साधन:**
    - ILO में कार्रवाई का प्रमुख साधन **सम्मेलनों और सिफारिशों के रूप में अंतर्राष्ट्रीय श्रम मानकों** की स्थापना की गई है।
        - सम्मेलन अंतर्राष्ट्रीय संधियाँ हैं और वे उपकरण हैं, जो उन देशों पर **कानूनी रूप से बाध्यकारी दायित्व बनाते हैं** जो उनकी पुष्टि करते हैं।
        - इनकी सिफारिशें **गैर-बाध्यकारी हैं और राष्ट्रीय नीतियों एवं कार्यों हेतु दिशा-निर्देश निर्धारित करती हैं।**
- **उपलब्धियाँ/कार्य:**
    - 1969 में **नोबेल शांति पुरस्कार** प्राप्त किया।
        - वर्गों के बीच शांति में सुधार के लिये कार्य।
        - श्रमिकों के लिये सभ्य काम और न्याय सुनिश्चित करना।
        - अन्य विकासशील राष्ट्रों को तकनीकी सहायता प्रदान करना।
- **ILO द्वारा जारी प्रमुख रिपोर्ट:**
    - विश्व रोज़गार और सामाजिक आउटलुक
    - विश्व सामाजिक संरक्षण रिपोर्ट
    - वैश्विक मजदूरी रिपोर्ट

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के कन्वेंशन 138 और 182 (2018) से संबंधित हैं:

(a) बाल श्रम
(b) वैश्विक जलवायु परिवर्तन के लिये कृषि पद्धतियों का अनुकूलन
(c) खाद्य कीमतों और खाद्य सुरक्षा का विनियमन
(d) कार्यस्थल पर लैंगिक समानता

उत्तर: (a)

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/third-employment-working-group-meet